

HINDI

(Second Language)

(Three hours)

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two Sections—Section A and Section B.

Attempt all the questions from Section A.

Attempt any four questions from Section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [].

SECTION A (40 Marks)

Attempt all questions

Question 1

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :—

[15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :—

- (i) 'विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषध है।' कथन के आधार पर बताइए कि मानव के जीवन में मित्रों का क्या महत्व है ? वें किस प्रकार व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं ? आप अपने मित्र का चुनाव करते समय उसमें किन गुणों का होना आवश्यक समझेंगे ? अपने विचार स्पष्टतः लिखिए।
- (ii) भारतीय संस्कृति में 'अतिथि को देवता के समान माना जाता है।' वर्तमान परिस्थितियों में यह मान्यता कहाँ तक सत्य के रूप में दिखाई दे रही है ? अतिथि कब बोझ बन जाता है और किस प्रकार ? विचारों द्वारा समझाइए।
- (iii) स्वच्छता हम सभी के लिए लाभदायक है, यदि आपको स्वच्छ भारत अभियान में सहयोग देने के लिए कोई तीन कार्य करने के लिए कहा जाए तो आप किन कार्यों को करना पसन्द करेंगे तथा क्यों ? अपने विचारों द्वारा स्पष्ट कीजिए।

This Paper consists of 12 printed pages.

T15 051

© Copyright reserved.

Turn over

(iv) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :—

'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।'

(v) नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।



Question 2

Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any **one** of the topics given below :— [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिये :—

- आपकी कॉलोनी में कुछ असामाजिक तत्त्व (Antisocial elements) आकर बस गए हैं। उनकी गुंडागर्दी बढ़ने के कारण नागरिकों का जीवन कठिन हो गया है। अपने शहर के 'पुलिस कमिशनर' को पत्र लिखकर उनकी शिकायत कीजिए तथा सुव्यवस्था के लिए शीघ्र कदम उठाए जाने की प्रार्थना कीजिए।
- आपका छोटा भाई किसी दूसरे शहर में पढ़ने गया है, जहाँ वह खेलने के लिए समय नहीं निकाल पा रहा है। खेलों का महत्व समझाते हुए उसे पत्र लिखिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :—

कौशल देश के वृद्ध राजा के चार पुत्र थे। उन्हें यह चिन्ता सताने लगी थी कि राज्य का उत्तराधिकारी किसे बनाया जाए ? सोच-विचार के बाद अपने चारों पुत्रों को बुलाकर राजा ने कहा— “तुम चारों में से जो सबसे बड़े धर्मात्मा को मेरे पास लेकर आएगा वही राज्य का स्वामी बनेगा।” तत्पश्चात् चारों राजकुमार अपने-अपने घोड़ों पर सवार होकर चल पड़े।

कुछ दिनों बाद बड़ा पुत्र अपने साथ एक महाजन को लेकर आया और राजा से बोला— “ये महाजन लाखों रुपयों का दान कर चुके हैं, अनेक मन्दिर व धर्मशालाएँ बनवा चुके हैं तथा साधु-सन्तों और ब्राह्मणों को भोजन कराने के उपरान्त ही ये भोजन करते हैं। इनसे बड़ा धर्मात्मा कौन होगा ?

“हाँ, वास्तव में ये धर्मात्मा हैं।” राजा ने कहा तथा सत्कारपूर्वक विदा किया।

इसके बाद दूसरा पुत्र एक कृशकाय ब्राह्मण को लेकर आया और राजा से बोला— “ये ब्राह्मण देवता चारों धारों की यात्रा कर आए हैं, कोई तामसी वृत्ति इन्हें छू नहीं गई है। इनसे बढ़कर कोई धर्मात्मा नहीं है।”

राजा ब्राह्मण के समक्ष नतमस्तक हुए और दान-दक्षिणा देकर बोले— “इसमें कोई सनदेह नहीं कि ये एक श्रेष्ठ धर्मात्मा हैं।”

तभी तीसरा पुत्र एक साधु को लेकर पहुँचा और बोला— “ये साधु महाराज सप्ताह में केवल एक बार दूध पीकर रहते हैं। भयकर सर्दी में जल में खड़े रहते हैं और गर्मी में पंचाणि तापते हैं। ये सबसे बड़े धर्मात्मा हैं।”

राजा ने साधु को प्रणाम किया और कहा— “निश्चय ही ये एक उत्तम साधु हैं।” साधु महाराज राजा को आशीर्वाद देकर विदा हुए।

अन्त में सबसे छोटा पुत्र एक निर्धन किसान के साथ आया। किसान दूर से ही भय के मारे हाथ जोड़ता चला आ रहा था। तीनों भाई छोटे भाई की मूर्खता पर ठहाका लगाकर हँस पड़े। छोटा पुत्र बोला— “एक कुत्ते के शरीर पर लगे घाव को यह आदमी धो रहा था। पता नहीं कि यह धर्मात्मा है या नहीं। अब आप ही इससे पूछ लीजिए।”

राजा ने पूछा— “तुम क्या धर्म-कर्म करते हो ?” किसान डरते-डरते बोला— “मैं अनपढ़ हूँ, धर्म किसे कहते हैं, यह मैं नहीं जानता। कोई बीमार होता है तो सेवा कर देता हूँ। कोई माँगता है तो मुट्ठी भर अन्न अवश्य दे देता हूँ।”

राजा ने कहा— “यह किसान ही सबसे बड़ा धर्मात्मा है।” राजा की बात सुनकर तीनों बड़े लड़के एक दूसरे का मुँह ताकने लगे। राजा ने पुनः कहा— “तीर्थयात्रा करना, भगवत् आराधना में लीन रहना, दान-पूण्य करना और जप-तप करना भी धर्म है किन्तु बिना किसी स्वार्थ के किसी दीन-दुर्खली और कष्ट में पड़े हुए प्राणी की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। जो परोपकार करता है, वही सबसे बड़ा धर्मात्मा है।”

- (i) राजा को क्या चिन्ता थी ? उसने अपने पुत्रों को बुलाकर क्या कहा ? [2]
- (ii) बड़े पुत्र की दृष्टि में सबसे बड़ा धर्मात्मा कौन था और उसका क्या कारण था ? [2]
- (iii) साधु किसके साथ आया था ? उसका परिचय किस प्रकार दिया गया ? [2]
- (iv) किसान को राजा के सामने कौन लाया था और क्यों ? राजा ने किसान को ही सबसे बड़ा धर्मात्मा क्यों कहा ? [2]
- (v) प्रस्तुत गद्यांश से क्या शिक्षा मिलती है ? [2]

Question 4

Answer the following according to the instructions given :—

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :—

- (i) निम्नलिखित शब्दों के विशेषण बनाइए :—
पूजा, धर्म। [1]
- (ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :—
राजा, जलाशय। [1]
- (iii) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :—
निर्माण, क्रोध, देहाती, मूर्खता। [1]
- (iv) भावाचक संज्ञा बनाइए :—
साधु, तपस्वी। [1]
- (v) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए :—
कान का कच्चा, श्रीगणेश करना। [1]

(vi) कोष्ठक में दिए गए वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए :—

(a) कश्मीर में अनेक दर्शनीय पर्यटक स्थल देखने योग्य हैं।

(वाक्य को शुद्ध कीजिए)

[1]

(b) मैं कलम से लिखूँगा।

(वाक्य को भूतकाल में बदलिए)

[1]

(c) आप परिवार के साथ हमारे घर आइएगा।

(रेखांकित के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए)

[1]

SECTION B (40 Marks)

Attempt four questions from this Section.

You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions.

(गद्य-संकलन)

Question 5

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

‘यों तो मैं कहीं आऊँ-जाऊँ सो ही इन्हें नहीं सुहाता, और फिर कल किशोरी के यहाँ बुलावा नहीं आया। अरे मैं तो कहूँ कि घरवालों का कैसा बुलावा ? वे लोग तो मुझे अपनी माँ से कम नहीं समझते, नहीं तो कौन भला यों भट्टी और भण्डार घर सौंप दे ?’

-अकेती-

लेखिका—मनू भंडारी

(i) किसे, किसका कहीं भी आना-जाना पंसद नहीं है तथा क्यों ?

[2]

(ii) सोमा बुआ किशोरीलाल के घर किस आयोजन पर बिना निमंत्रण के ही चली गयी थीं ? वहाँ उन्होंने किस प्रकार की अव्यवस्था देखी ?

[2]

(iii) बुलावा न आने पर भी सोमा बुआ ने किशोरीलाल के यहाँ क्या किया तथा वहाँ जाने का क्या तर्क दिया ? आप इस तर्क से कहाँ तक सहमत हैं ? अपने विचार दीजिए।

[3]

(iv) 'अकेलापन जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप है।' इस कहानी की घटनाओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

[3]

Question 6

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

"आज देहाती लोग भी कहते हैं कि हमारे बच्चों को तालीम मिलनी चाहिए। तालीम किसलिए मिलनी चाहिए ? इसलिए नहीं कि लड़का ज्ञानी बनेगा, धर्म-ग्रन्थ पढ़ सकेगा और जीवन में हर काम विचारपूर्वक करेगा। पर इसलिए कि लड़के को नौकरी मिलेगी और हम जैसे दिन भर खटते हैं, वैसे उसे खटना न पड़ेगा।"

श्रम की प्रतिष्ठा

आचार्य विनोबा भावे

(i) काम के प्रति देहाती लोगों की मनोवृत्ति कैसी हो गई है और क्यों ? [2]

(ii) दिमागी काम करने वाले लोग मजदूरों के प्रति क्या विचार रखते हैं ? [2]

(iii) लेखक ने मजदूरों की तुलना किससे की है तथा क्यों ? समझाकर लिखिए। [3]

(iv) प्रस्तुत निबन्ध का उद्देश्य लिखिए। [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

"मैं नहीं जानती कि वह शाहंशाह था या साधारण मुगल, पर एक दिन इसी झोपड़ी के नीचे वह रहा था। मैंने सुना था, वह मेरा घर बनाने की आज्ञा दे गया था। मैं आजीवन अपनी झोपड़ी खुदवाने के डर से भयभीत रही थी।"

ममता

जयशंकर प्रसाद

(i) वक्ता का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(ii) कौन, किसका घर बनवाने की आज्ञा दे गया था तथा क्यों ? [2]

(iii) झोपड़ी के स्थान पर वहाँ क्या बनाया गया और उस पर क्या लिखा गया ? अपने शब्दों में लिखिए। बताइए कि वास्तव में वह स्थान किसके नाम का महत्व रखता है ? [3]

(iv) इस कहानी के माध्यम से लेखक ने हमें क्या संदेश देना चाहा है ? [3]

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

लेखक—प्रकाश नगायन्च

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“मैं ही नहीं, मगध की सारी प्रजा जानती है कि जो कुछ भी रामगुप्त और उसके मंत्रियों ने किया है, गुप्त वंश की परम्परा और स्वर्गीय सम्राट् समुद्रगुप्त की इच्छा और आज्ञाओं के विरुद्ध ही नहीं धर्म के विरुद्ध भी है।”

(i) उक्त कथन का वक्ता और श्रोता कौन है ? इससे पूर्व वक्ता श्रोता की किससे तुलना कर रहे थे और क्यों ? [2]

(ii) धर्म किसे कहते हैं ? रामगुप्त के द्वारा किए गए कार्य को धर्म के विरुद्ध क्यों कहा गया है ? [2]

(iii) समुद्रगुप्त का परिचय देते हुए बताइए कि यहाँ उनकी चर्चा क्यों की जा रही है ? [3]

(iv) उपन्यास ‘चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य’ युद्ध प्रधान उपन्यास है। उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“अगर हमने शकराज की माँगे पूरी न की तो सवेरा होते ही शकों की सेना हमें असहाय भेड़-बकरियों की तरह काट डालेगी।”

(i) प्रस्तुत संवाद के वक्ता और श्रोता कौन हैं ? संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(ii) शकराज की शर्तें क्या थीं ? वे शर्तें अपमानजनक क्यों थीं ? [2]

(iii) शकराज की शर्तों को पूरा करने में क्या कठिनाइयाँ हैं ? समझाकर लिखिए। [3]

(iv) उपर्युक्त संवाद की प्रतिक्रिया में श्रोता ने क्या विचार प्रस्तुत किए ? आप इसे विचार से कहाँ तक सहमत हैं ? तर्क सहित उत्तर दीजिए। [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“लेकिन यह विजय अधूरी है, सप्त्राट ! युवराज चंद्रगुप्त और ध्रुवस्वामिनी का सबसे बड़ा बैरी अभी भी जीवित है।”

- (i) उपर्युक्त कथन किसने, किससे, कब और कहाँ कहा है ? [2]
- (ii) वक्ता किस विजय की बात कर रहा है ? यह विजय कैसे पाई गई थी ? संक्षेप में लिखिए। [2]
- (iii) ‘सबसे बड़ा बैरी’ कौन है ? वह सबसे बड़ा बैरी क्यों है ? कारण सहित उत्तर दीजिए। [3]
- (iv) ‘सबसे बड़ा बैरी’ कब और किस तरह मारा जाता है ? समझाकर लिखिए। [3]

एकांकी सुमन

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“महाराज राम के बल से कौन निर्भीक और निडर नहीं है ? उनके प्रताप के सामने तुम्हारा प्रताप क्या है ? क्या जुगनुओं का प्रकाश कभी सूर्य के प्रकाश की समानता कर सकता है। और उस प्रकाश से क्या कभी कमलिनी खिल सकती है ? ऐसे व्यक्ति का प्रताप.....”

-राजरानी सीता-

लेखक—डॉ. रामकुमार वर्मा

- (i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है ? उसने ये वाक्य किससे और कब कहा ? [2]
- (ii) वक्ता ने ‘जुगनुओं का प्रकाश’ एवं सूर्य के प्रकाश की तुलना किससे और क्यों की है ? संक्षेप में लिखिए। [2]
- (iii) वक्ता, श्रोता के किस अपमानजनक कार्य के लिए उसे लज्जित करता है ? अपमानजनक कार्य में श्रोता की मुख्य रूप से किसने और किस प्रकार सहायता की थी ? समझाकर लिखिए। [3]
- (iv) वक्ता का परिचय देते हुए उनके चरित्र की मुख्य दो विशेषताएं लिखिए। [3]

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“नहीं, वह ठोकर इसलिए खाता है कि आँखों वाला पास खड़ा व्यक्ति उसे सहारा नहीं देता, उसे सहारा देने से कतराता है। हम भी जब अंधे हो जाते हैं तो चाहते हैं आस-पास से रस की दो बूँदें हमें मिल जाएँ। सच नीर, ये रस की बूँदें प्यार की बूँदें हैं जो जीवन के सारे अंधेरे को अंदर तक पोछ डालती हैं और हमारी जिंदगी तब उजालों में नहा सकती है।”

-भटकन-

लेखिका—शैत रस्तोगी

- (i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है ? तथा श्रोता का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]
- (ii) अंधा ठोकर क्यों खाता है ? इस वाक्य के माध्यम से वक्ता क्या कहना चाहता है ? [2]
- (iii) रस की बूँदों का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए। वक्ता रस की बूँदें क्यों चाहता है ? समझाकर लिखिए। [3]
- (iv) ‘हमारी जिंदगी तब उजालों में नहा सकती है।’ कथन के आधार पर वक्ता के भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“हाँ, पूछते थे, मैंने कह दिया कि बच्चा है, पर माँ की मौत के बाद उसकी हालत ठीक नहीं रहती, परमात्मा ही मालिक है।”

-लक्ष्मी का स्वागत-

लेखक—उपेन्द्रनाथ ‘अश्क’

- (i) उक्त वार्तालाप किनके बीच कब हो रहा है ? संक्षेप में लिखिए। [2]
- (ii) श्रोता कौन है ? उसके अनुसार बीमार बच्चे की माँ की मृत्यु किस प्रकार हुई ? [2]

(iii) ऐसी विषम परिस्थितियों में वक्ता द्वारा अपने पुत्र रोशन का शागुन लेना कहाँ तक उचित है ? अपने विचार व्यक्त कीजिए। [3]

(iv) एकांकी का उदाहरण देते हुए उद्देश्य लिखिए। [3]

काव्य-चन्द्रिका

Question 14

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

बगिया हरी-हरी, वसुन्धरा भरी-भरी
फिर क्यों रहे मनुष्य की दशा मरी-मरी
फैले कुटी-कुटी महल-महल, तरी-तरी
घर में बिरादरी, समाज में बराबरी
ऐसा न हो कि कोटि-कोटि ही दुखी रहें—
तुम वेदना हरो, उदार वेदना हरो,
तुम वेदना हरो।

बढ़ती चले कतार देश की पुकार पर
धुन छेड़ दो नई, समष्टि के सितार पर
पीछे किया करो सिंगार द्वार-द्वार पर
पहले जले दिया शहीद के मजार पर
वे देश पर चढ़ा गए शारीर फूल सा—
तुम वन्दना करो, कृतज्ञ वन्दना करो,
तुम वन्दना करो।

-नवीन कल्पना करो-
कवि-गोपाल सिंह नेपाली

(i) बगिया हरी-हरी तथा वसुन्धरा भरी-भरी का मनुष्य की दशा से क्या सम्बन्ध है ? [2]

(ii) कवि को किस दुख की चिन्ता है ? कवि अपने इस दुख को दूर करने के लिए किससे क्या कह रहा है ? [2]

(iii) अपने द्वार को सजाने से पहले कवि क्या करने को कह रहा है ? हमें किन लोगों के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए तथा क्यों ? समझाकर लिखिए। [3]

(iv) प्रस्तुत कविता का मूलभाव लिखिए। [3]

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पंद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

आगे चले बहुरि रघुराया । रिष्यमूक पर्वत निअराया ॥
 तहँ रह सचिव सहित सुग्रीवा । आवत देखि अतुल बल सीवा ॥
 अति सभीत कह सुनु हनुमाना । पुरुष जुगल बल रूप निधाना ॥
 धरि बटु रूप देखु तैं जाई । कहेसु जानि जियैं सयन बुझाई ॥
 पठए बालि होहिं मनु मैला । भागौं तुरत तजौं यह सैला ॥
 बिप्र रूप धरि कपि तहँ गयऊ । माथ नाइ पूछत अस भयऊ ॥
 को तुम्ह स्यामल गैर सरीरा । छत्री रूप फिरहु बन बीरा ॥
 कठिन भूमि कोमल पद गामी । कवन हेतु बिचरहु बन स्वामी ॥
 मृदुल मनोहर सुंदर गाता । सहत दुसह बन आतप बाता ॥
 कीं तुम्ह तीनि देव मँह कोऊ । नर नारायन की तुम्ह दोऊ ॥

-राम-सुग्रीव मैत्री

कवि—तुलसीदास

- (i) सुग्रीव किस पर्वत पर, किसके साथ तथा क्यों रहता था ? [2]
- (ii) सुग्रीव क्या देखकर भयभीत हो गए थे ? उन्होंने हनुमान जी से क्या कहा ? [2]
- (iii) बालि कौन था ? वह ऋष्यमूक पर्वत पर क्यों नहीं जाता था ? उससे सुग्रीव क्यों भयभीत था ? [3]
- (iv) सुग्रीव ने हनुमान से क्या कहा ? हनुमान ने सुग्रीव की आज्ञा का पालन किस प्रकार किया तथा उन्होंने आगन्तुक से क्या प्रश्न पूछे ? [3]

Question 16

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्याश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

मेरा मन तो हरा हो गया इन्हें निरख कर,
दोनों का यह रुचिर रूप नयनों से चखकर।
और अधिक के हेतु समुत्सुक हूँ मैं मन में,
ये दोनों जड़ वटपि यहाँ इस विरल विजन में।

भेट रहे हैं एक दूसरे को खिल-खिल कर
निज-निज सीमा लांघ सहोदर-से हिल-मिलकर।
इसकी शाखा लिये कनक कुसुमों की डाली,
उसके कर में मधुर फलों की भेट निराली।
पुलकान्दोलित पत्र परस्पर की छाया में
छाया भी अविभिन्न परस्पर की माया है।

-सम्मिलित-

कवि—सियारामशारण गुप्त

- (i) 'मेरा मन तो हरा हो गया' से कवि का क्या तात्पर्य है ? कवि का मन हरा क्यों हो गया था ? [2]
- (ii) कौन भेट रहे हैं ? कविता के सन्दर्भ में स्पष्ट कीजिए। [2]
- (iii) 'छाया भी अविभिन्न परस्पर की माया है।' पंक्ति का भावार्थ लिखिए। कवि ने उक्त पंक्ति के द्वारा क्या संकेत दिया है ? [3]
- (iv) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए :—
रुचिर, समुत्सुक, विटपि, सहोदर, पुलकान्दोलित, परस्पर। [3]